Page No.
Date :

पाठशाला में आयोजित की जाने वाली सहयोगी क्रियाओं की कोई सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती। विद्यार्थियों की आवश्यकताओं, पाठशालाओं के साधनों तथा स्थानीय परिस्थितियों को सामने रखकर ही इनकी व्यवस्था की जाती है। पाठसहगामी क्रियाओं को हम दो रूपों में क्रियान्वित करते हैं :—

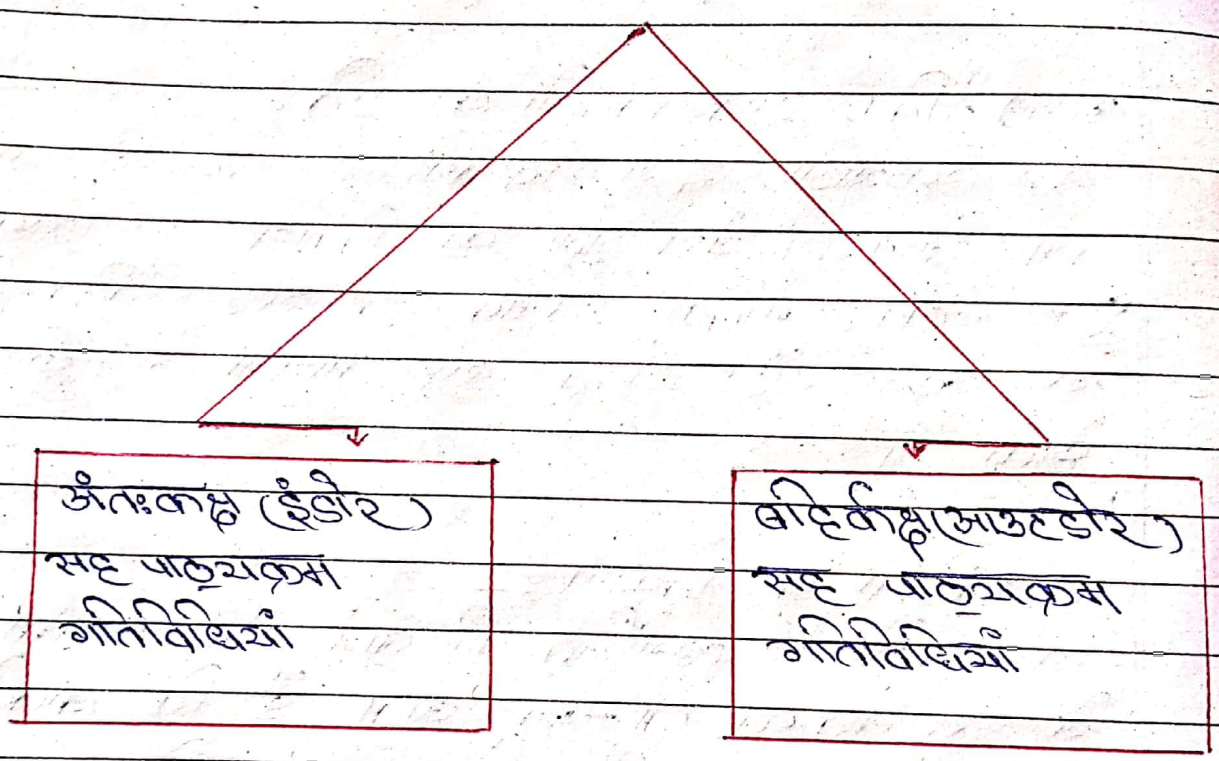

इंडोर सह पाठ्यक्रम गतिविधियां :—

1. नाटक
2. संगीत और नृत्य
3. चित्रांकन और रंगाई
4. सजावट
5. मार्शल चिकित्सा
6. रंगोली

Scanned with CamScanner

(7) बुक बाइंडिंग
(8) कार्ड बोर्ड काम
(9) चटाई का काम
(10) आयोजन स्कूल पंचायत
(11) कला और शिल्प
(12) माइंड गेम आदि

आउटडोर सह पाठ्यक्रम गतिविधियाँ :—

(1.) सामूहिक परेड
(2) सामूहिक ड्रिल
(3) योग
(4) व्यायाम
(5) साइकिल चलाना
(6) बागवानी
(7.) क्रिकेट (अन्य खेल)
(8) लंबी पैदल यात्रा
(9) सामूहिक प्रार्थना
(10) सांस्कृतिक गतिविधि आदि

भाषा की दृष्टि से उपयोगी क्रियाएं :—

(1) वाद-विवाद प्रतियोगिताएं :—

अपने मत को प्रभावशाली ढंग से प्रकट करने के लिए तथा अन्य लोगों को अपने मत के अनुकूल करने के प्रशिक्षण में वाद-विवाद प्रतियोगिता से बढ़कर और कोई साधन

नहीं है, इसमें विद्यार्थियों को अपने विचार कि शक्ति का उपयोग करना पड़ता है। उन्हें अल्प समय में अपने विचारों को प्रस्तुत करना होता है और अपनी बात को प्रमाणित करने के लिए तथ्य व उदाहरण आदि देने होते हैं इसके निम्नलिखित लाभ हैं:-

(1) विद्यार्थी आत्मविश्वासपूर्वक अपने विचारों को व्यक्त कर सकते हैं।

(2) विद्यार्थी की अभिव्यक्ति में स्पष्टता व शुद्धता आती है।

(3) निर्धारित विषय के संबंध में वे पुस्तकें तथा पत्र- पत्रिकाएं आदि पढ़ते हैं, इससे उनका मौखिक साहित्य सक्रिय होता है और उनके ज्ञान में अभिवृद्धि होती है।

(4) नए- नए विषयों को प्रस्तुत करने के लिए वे नए- नए शब्दों का प्रयोग करते हैं इससे उनके शब्द भण्डार में वृद्धि होती है।

(5) प्रतियोगिताओं में निरन्तर भाग लेते रहने पर उनका भाषा पर अच्छा अधिकार हो जाता है

(6) निरन्तर मञ्च पर बोलते रहने से उनकी बोली की अपनी शैली बन जाती है।

"देखा- दुखी एक निज भाई
दुःख की छाया पड़ी हृदय पर
झट उमड़ वेदना आई
मैंने मैं शैली अपनाई" - निराला

(2) व्याख्यान या भाषण :—

विद्यालयों में व्याख्यान विद्यालय की सजीवता का चिन्ह है, यदि सम्भव हो तो प्रतिदिन प्रातः काल प्रारम्भ के समय अन्यथा साप्ताहिक व्याख्यान अवश्य होना चाहिए। व्याख्यान के लिए जहाँ अनुभवी व्यक्तियों को ~~आमंत्रित~~ आमंत्रित किया जाए वहीं कक्षा-2 अध्यापकों तथा छात्रों (विद्यार्थियों) के भी व्याख्यान होने चाहिए, किन्तु व्याख्यानों के विषय में निम्नलिखित बातें ध्यान में रखी जानी चाहिए :—

(1) व्याख्यान का विषय चाहे ऐतिहासिक हो, साहित्यिक हो, राजनैतिक हो, सांस्कृतिक हो अथवा सामान्य समस्याओं से संबंधित हो वह रोचक तथा ज्ञानवर्द्धक होना चाहिए।

(2) विषय ऐसा चुना जाए जिसे विद्यालय के विद्यार्थी भली-भाँति समझ सके।

व्याख्यान या भाषण से विद्यार्थियों को निम्नलिखित लाभ है :—

(1) उनके ज्ञान में वृद्धि होती है।

(2) नवीन विषयों के प्रति उत्सुकता जाग्रत होती है, उत्सुकता जाग्रत होने पर व जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित होते हैं।

Scanned with CamScanner